भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर
INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY, NAGPUR
"An Institution of National Importance by an Act of Parliament"
Website: www.iiitn.ac.in Email: director@iiitn.ac.in, registrar@iiitn.ac.in Phone: 9405215010

PRESS RELEASE
Date:18/04/2025

English

IIIT Nagpur Secures ₹18.10 Crore ANRF Grant under PAIR Program in Collaboration with IIT Bombay

The Indian Institute of Information Technology, Nagpur (IIITN), an Institute of National Importance, has achieved a major milestone by securing a research grant of ₹18.10 crore under the Anusandhan National Research Foundation's (ANRF) PAIR (Partnerships for Accelerated Innovation and Research) initiative. The institute was selected as a Spoke Institution, with Indian Institute of Technology Bombay serving as the Hub, as a PAIR network, under a collaborative research network focused on Advanced Materials, Green Energy & Sustainability, and Industry 4.0.

The project aims to create national impact through interdisciplinary research, innovation, and institutional capacity building, while fostering strong academia-industry collaboration across thematic areas. The project at spoke institution IIIT Nagpur is led by Dr. Tausif Diwan, Principal Investigator and Associate Dean, and supported by a dynamic team of Co-Investigators: Dr. Aatish Daryapurkar, Dr. Prasad Joshi, Dr. C. Sakode, Dr. Mayur Parate, Dr. Nikhil Agrawal, Dr. Parul Sahare, Dr. Sushmita Dandeliya, Dr. Pooja Jain, Dr. Nilesh Pikle, Dr. Snehal Shinde, and Dr. Milind Penurkar.

The investigators bring deep expertise across diverse domains including Materials Science, Nanotechnology, Electronics and Communication Engineering, Computer Science, Data Science, and Interdisciplinary Technologies. The PAIR project will enhance the institute's research capabilities in Computational materials discovery and energy storage systems, Development of printed functional ceramics and semiconductors, Green hydrogen technologies, smart buildings, and electric mobility, AI-driven modelling, simulation, and predictive control for Industry 4.0 systems. This grant will be utilized over a 5-year period, with a focus on high-end equipment procurement, recruitment of dedicated research personnel, academic output, technology transfer, and research dissemination.

Speaking on the occasion, Shri Ravi Sharma, Hon'ble Chairman, Board of Governors, IIIT Nagpur, said: "This is a landmark achievement for IIIT Nagpur. The PAIR grant recognizes the strategic vision and commitment of our faculty members toward an impactful research. It opens new avenues for innovation, institutional growth, and national collaboration."

Director Dr. Prem Lal Patel extended his congratulations to the team, stating: "This milestone highlights IIIT Nagpur's emergence as a key player in India's research ecosystem. I commend Dr. Tausif Diwan and the entire team for their exemplary efforts. This collaboration with IIT Bombay and other leading institutions will strengthen our contribution to the national innovation mission."

Registrar Shri Kailas N. Dakhale affirmed the institute's commitment: "IIIT Nagpur shall ensure seamless project execution and financial accountability. This funding validates our institution's potential and dedication to advancing the nation's research priorities through ethical and impactful practices."

The PAIR initiative is a visionary step by ANRF toward fostering excellence and synergy across India's higher education landscape. The IIITN-IITB collaboration under this program is expected to contribute significantly to the development of next-generation technologies and talent for a Viksit Bharat.

HINDI

आईआईआईटी नागपुर ने आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से ऍक्सिलरेटेड इनोव्हेशन अँड रिसर्च (PAIR) कार्यक्रम के तहत ₹18.10 करोड़ का अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) अनुदान हासिल किया

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर (आईआईआईटी नागपुर), एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, ने अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF) PAIR त्वरित नवाचार और अनुसंधान के लिए साझेदारी) पहल के तहत ₹१८.१० करोड़ का अनुसंधान अनुदान हासिल करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संस्थान को एक स्पोक संस्थान के रूप में चुना गया था, जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे एक हब के रूप में, एक पीएआईआर नेटवर्क के रूप में, उन्नत सामग्री, हरित ऊर्जा और स्थिरता और उद्योग ४.० पर केंद्रित एक सहयोगी अनुसंधान नेटवर्क के तहत काम कर रहा था।

परियोजना का उद्देश्य विषयगत क्षेत्रों में मजबूत शिक्षा-उद्योग सहयोग को बढ़ावा देते हुए अंतःविषय अनुसंधान, नवाचार और संस्थागत क्षमता निर्माण के माध्यम से राष्ट्रीय प्रभाव पैदा करना है। स्पोकन संस्थान आईआईआईटी नागपुर में परियोजना का नेतृत्व डॉ. तौसीफ दीवान, प्रधान अन्वेषक और एसोसिएट डीन द्वारा किया जाता है, और सह-जांचकर्ताओं की एक गतिशील टीम द्वारा समर्थित है: डॉ. आतिश दर्यापूरकर, डॉ. प्रसाद जोशी, डॉ. सी. साकोडे, डॉ. मयूर पराते, डॉ. निखिल अग्रवाल, डॉ. पारुल सहारे, डॉ. सुष्मिता डांडेलिया, डॉ. पूजा जैन, डॉ. नीलेश पिकले, डॉ. स्नेहल शिंदे, और डॉ. मिलिंद पेनुरकर.

पदार्थ विज्ञान नैनोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विज्ञान और अंतःविषय प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न डोमेन में गहरी विशेषज्ञता लाते हैं। पीएआईआर परियोजना कम्प्यूटेशनल सामग्री खोज और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों, मुद्रित कार्यात्मक सिरेमिक और अर्धचालकों के विकास, हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों, स्मार्ट इमारतों और विद्युत गतिशीलता, एआई-संचालित मॉडलिंग, सिमुलेशन और उद्योग ४.० प्रणालियों के लिए पूर्वानुमान नियंत्रण में संस्थान की अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाएगी। इस अनुदान का उपयोग ५ साल की अवधि में किया जाएगा, जिसमें उच्च-स्तरीय उपकरण खरीद, समर्पित अनुसंधान कर्मियों की भर्ती, शैक्षणिक आउटपुट, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अनुसंधान प्रसार पर ध्यान दिया जाएगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईआईटी नागपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के माननीय अध्यक्ष, श्री रवि शर्मा ने कहा: "यह आईआईआईटी नागपुर के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पीएआईआर अनुदान प्रभावशाली शोध के प्रति हमारे संकाय सदस्यों की रणनीतिक दृष्टि और प्रतिबद्धता को मान्यता देता है। यह नवाचार, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय सहयोग के लिए नए रास्ते खोलता है।"

निदेशक डॉ. प्रेम लाल पटेल ने टीम को बधाई देते हुए कहा, "यह मील का पत्थर भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में आईआईआईटी नागपुर के उद्भव को उजागर करता है। मैं डॉ. तौसीफ दीवान और पूरी टीम की उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए सराहना करता हूं। आईआईटी बॉम्बे और अन्य अग्रणी संस्थानों के साथ यह सहयोग राष्ट्रीय नवाचार मिशन में हमारे योगदान को मजबूत करेगा।"
रजिस्ट्रार श्री कैलास एन. डाखले ने संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की: "आईआईआईटी, नागपुर निर्बाध परियोजना निष्पादन और वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। यह फंडिंग नैतिक और प्रभावशाली प्रथाओं के माध्यम से देश की अनुसंधान प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए हमारी संस्था की क्षमता और समर्पण को मान्य करती है।"

त्वरित नवाचार और अनुसंधान के लिए साझेदारी (पीएआईआर) पहल भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में उत्कृष्टता और तालमेल को बढ़ावा देने की दिशा में एएनआरएफ का एक दूरदर्शी कदम है। इस कार्यक्रम के तहत आईआईआईटी, नागपुर-आयआयटी, बॉम्बे सहयोग से विकसित भारत के लिए अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों और प्रतिभा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद है।

MARATHI

आईआईआईटी, नागपूरने आयआयटी बॉम्बेच्या सहकार्याने ॲक्सिलरेटेड इनोव्हेशन अँड रिसर्च (PAIR) कार्यक्रमांतर्गत ₹१८.१० कोटी अनुसंधान राष्ट्रीय संशोधन प्रतिष्ठान (ANRF) अनुदान प्राप्त केले

इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी, नागपूर (आईआईआईटी, नागपूरने), राष्ट्रीय महत्त्वाची संस्था, अनुसंधान नॅशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF) PAIR (भागीदारी प्रवेगक इनोव्हेशन अँड रिसर्च) उपक्रमांतर्गत ₹१८.१० कोटींचे संशोधन अनुदान मिळवून एक मोठा टप्पा गाठला आहे. प्रगत साहित्य, हरित ऊर्जा आणि शाश्वतता आणि उद्योग ४.० वर केंद्रित सहयोगी संशोधन नेटवर्क अंतर्गत, PAIR नेटवर्क म्हणून हब म्हणून काम करत असलेल्या भारतीय तंत्रज्ञान संस्था बॉम्बेसह, स्पोक संस्था म्हणून संस्थेची निवड करण्यात आली.

या प्रकल्पाचे उद्दिष्ट आंतरविद्याशाखीय संशोधन, नवकल्पना आणि संस्थात्मक क्षमता वाढवण्याद्वारे राष्ट्रीय प्रभाव निर्माण करणे हा आहे, तसेच थीमॅटिक क्षेत्रांमध्ये मजबूत शैक्षणिक-उद्योग सहयोग वाढवणे हा आहे. स्पोक इन्स्टिट्यूट आयआयआयटी नागपूर येथील प्रकल्पाचे नेतृत्व डॉ. तौसिफ दिवाण, प्रमुख अन्वेषक आणि सहयोगी डीन करत आहेत आणि सह-अन्वेषकांच्या डायनॅमिक टीमचे समर्थन आहे: डॉ. आतिश दर्यापूरकर, डॉ. प्रसाद जोशी, डॉ. सी. साकोडे, डॉ. मयूर पराते, डॉ. निखिल अग्रवाल, डॉ. पारुल सहारे, डॉ.सुष्मिता दंडेलिया, डॉ. पूजा जैन, डॉ.निलेश पिकले, डॉ.स्नेहल शिंदे, आणि डॉ.मिलिंद पेनूरकर.

पदार्थ विज्ञान, नॅनोटेक्नॉलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स आणि कम्युनिकेशन इंजिनीअरिंग, कॉम्प्युटर सायन्स, डेटा सायन्स आणि इंटरडिसिप्लिनरी टेक्नॉलॉजीज यासह विविध डोमेनमध्ये तपासकांनी सखोल कौशल्य प्राप्त केले आहे. PAIR प्रकल्प संगणकीय साहित्य शोध आणि ऊर्जा साठवण प्रणाली, मुद्रित कार्यात्मक सिरॅमिक्स आणि सेमीकंडक्टर्सचा विकास, ग्रीन हायड्रोजन तंत्रज्ञान, स्मार्ट इमारती आणि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, एआय-चालित मॉडेलिंग, सिम्युलेशन आणि उद्योग प्रणालीसाठी भविष्यसूचक नियंत्रण यामध्ये संस्थेची संशोधन क्षमता वाढवेल. हे अनुदान ५ वर्षांच्या कालावधीत वापरले जाईल, ज्यामध्ये उच्च श्रेणीतील उपकरणे खरेदी, समर्पित संशोधन कर्मचाऱ्यांची भरती, शैक्षणिक उत्पादन, तंत्रज्ञान हस्तांतरण आणि संशोधन प्रसार यावर लक्ष केंद्रित केले जाईल.

यावेळी बोलताना, श्री रवी शर्मा, माननीय अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गव्हर्नर्स, आयआयआयटी,नागपूर म्हणाले: "ही आयआयआयटी, नागपूरसाठी एक ऐतिहासिक कामगिरी आहे. PAIR अनुदान प्रभावी संशोधनासाठी आमच्या प्राध्यापक सदस्यांची धोरणात्मक दृष्टी आणि वचनबद्धता ओळखते. हे नावीन्य, संस्थात्मक वाढ आणि राष्ट्रीय सहकार्यासाठी नवीन मार्ग उघडते."
संचालक डॉ. प्रेमलाल पटेल यांनी संघाचे अभिनंदन करताना म्हटले: "हा टप्पा भारताच्या संशोधन परिसंस्थेतील एक प्रमुख खेळाडू म्हणून आयआयआयटी नागपूरच्या उदयास अधोरेखित करतो. मी डॉ. तौसिफ दिवाण आणि संपूर्ण टीमचे त्यांच्या अनुकरणीय प्रयत्नांबद्दल कौतुक करतो. आयआयटी बॉम्बे सोबतच्या या सहकार्यामुळे आमच्या राष्ट्रीय संस्थांना बळकटी मिळू शकेल आणि इतर संस्थांना बळकटी मिळेल."

रजिस्ट्रार श्री कैलास एन. डाखले यांनी संस्थेच्या वचनबद्धतेची पुष्टी केली: "आयआयआयटी,नागपूर निर्बाध प्रकल्प अंमलबजावणी आणि आर्थिक उत्तरदायित्व सुनिश्चित करेल. हा निधी आमच्या संस्थेची क्षमता आणि नैतिक आणि प्रभावी पद्धतींद्वारे देशाच्या संशोधन प्राधान्यांना पुढे नेण्यासाठी समर्पण प्रमाणित करतो."
PAIR उपक्रम हे ANRF ने भारतातील उच्च शिक्षण क्षेत्रामध्ये उत्कृष्टता आणि समन्वय वाढवण्याच्या दिशेने उचललेले एक दूरदर्शी पाऊल आहे. या कार्यक्रमांतर्गत आयआयआयटी,नागपूर -आयआयटी, बॉम्बे सहकार्याने पुढील पिढीचे तंत्रज्ञान आणि विकसित भारतासाठी प्रतिभा विकसित करण्यासाठी महत्त्वपूर्ण योगदान देणे अपेक्षित आहे.

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी
संस्थान, नागपुर
INDIAN INSTITUTE OF
INFORMATION TECHNOLOGY